A–0184

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MASL–508

M.A. Sanskrit (MASL)

(नाटक एवं नाट्यशास्त्र भाग-02)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. महाकवि भवभूति का संक्षिप्त जीवन परिचय देते हुए उनके रचना वैशिष्ट्य पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

2. 'उत्तररामचरिते भवभूतिर्विशिष्यते' इस कथन की युक्ति युक्त तर्कों से सोदाहरण विस्तृत विवेचना कीजिए।

3. नाट्यशास्त्रीय लक्षणों के आधार पर उत्तररामचरितम् की नाट्यविधि को चिन्हित करते हुए उत्तररामचरितम् का नाट्यशास्त्रीय मूल्यांकन कीजिए।

4. उत्तररामचरितम् की रसयोजना का नाट्यशास्त्रीय आधार स्पष्ट करते हुए इसमें गौण रसों की चमत्कारिता का विस्तार से सोदाहरण वर्णन कीजिए।

5. निम्नलिखित श्लोकों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए–

प्रियप्राया वृत्तिर्विनयमधुरो वाचि नियमः

प्रकृत्या कल्याणी मतिरनवगीतः परिचयः।

पुरो वा पश्चाद्वा तदिदमविपर्यासितरसं

रहस्यं साधूनामनुपधि विशुद्धं विजयते॥

अथवा

त्वं जीवितं त्वमसि में हृदयं द्वितीयं

त्वं कौमुदी नयनयोरमृतं त्वमङ्गे।

इत्यादिभिः प्रियशतैरनुरुध्य मुग्धां

तामेव शान्तमथवा किमिहोत्तरेण॥

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :— खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. उत्तररामचरितम् में श्रीराम के नायकत्व को रेखांकित कीजिए।
2. उत्तररामचरितम् की नायिका का संक्षिप्त चरित्र-चित्रण कीजिए।
3. भवभूति की नाट्यशैली पर टिप्पणी लिखिए।
4. 'शोकक्षोभे च हृदयं प्रलापैरेव धार्यते' इस सूक्ति की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।
5. उत्तररामचरितम् के तृतीय अंक का कथासार लिखिए।
6. उत्तररामचरितम् का मंगलाचरण भावार्थ सहित लिखिए।
7. उत्तररामचरितम् से प्राप्त होने वाले चार सामाजिक संदेशों को बताइए।
8. 'अनुष्ठाननित्यत्वं स्वातंन्त्र्यमपकर्षति' का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए।

****